अत्रत्यानाम् आचार्याणां शैक्षिकरूपेण पुनर्नवीकरणाय विश्वविद्यालयेन अनेके कार्यक्रमाः समायोज्यन्ते । विश्वविद्यालयानुदान आयोगेन तथा भारतसर्वकारेण निर्धारिताः अनेके कार्यक्रमाः अध्ययनावकाशप्रदानम्, राष्ट्रियअन्ताराष्ट्रियसम्मेलने नामनिर्देशनम् सेवारतप्रशिक्षणम्, राष्ट्रिय,अन्ताराष्ट्रियसम्मेलनस्य आयोजनम् इति नैकाः व्यवस्थाः कल्पयति विश्वविद्यालयः । विश्वविद्यालये अध्यापनरतानाम् अध्यापकानां वाक्यार्थसभाः, शास्त्रार्थसभाः, शास्त्रपरीक्षाः, शास्त्रस्पर्धाः, संस्कृतकविसमवायः इत्यादयः कार्यक्रमाश्च यथावसरमवाप्य समायोजिताः भवन्ति । पारम्परिकगुरुणां सविधे अध्ययनम् - काश्यां प्राचीनेयं परम्परा यत् शिष्याः विश्वविद्यालये गुरोः गृहे च गत्वा पारम्परिकरूपेण शास्त्राध्ययनं कुर्वन्ति । गुरवः स्वजीवने प्राप्तपरम्परानुगुणं स्वशिष्येभ्यः शास्त्रीयविषयान् उपदिशन्ति।

अध्ययनावकाशप्रदानं सेवारतप्रशिक्षणञ्च - विश्वविद्यालये अध्यापकानाम् अध्ययनार्थं प्रशिक्षणार्थञ्च अवकाशः स्वीक्रियते। अभिविन्यासपुनश्चर्यापाठ्यक्रमः विद्यावारिध्युपाधिप्राप्त्यर्थञ्च विश्वविद्यालये अध्यापकानां कृते अवकाशः स्वीकृतोऽस्ति । विश्वविद्यालये अध्यापननिरतानाम् अध्यापकानां कृते विश्वविद्यालयानुदान आयोगस्य नियमानुसारम् अपेक्षितेषु सेवानिरतप्रशिक्षणेषु भागं ग्रहीतुं अवसरः कल्प्यते। ते अध्यापकाः यूजीसी.मानवसंसाधनविकासकेन्द्रद्वारा आयोज्यमाने पुनश्चर्यापाठ्यक्रमे अभिविन्यासपाठ्यक्रमे च भागग्रहणाय प्रेष्यन्ते। अध्यापकाः एतत्पाठ्यक्रमे भागं गृहीत्वा नैकानि अध्यापनकौशलानि प्राप्नुवन्ति । विश्वविद्यालये कार्यरताः अध्यापकाः पुनश्चर्यापाठ्यक्रमे, अभिविन्यासपाठ्यक्रमे अन्येषु च विभिन्नपाठ्यक्रमेषु भागम् अगृह्णन् । अध्ययनाय प्राप्तावकाशानाम् अध्यापकानां सूची-

अभिविन्यासपाठ्यक्रमे (Orientation Programme**)**

क्रम संख्या	नाम	संस्था	सन्
1.	डॉ. विजेन्द्रआर्य	रामानुजमकालेज, दिल्लीविश्वविद्यालयः	19 जून से 18 जुलाई 2021
2.	डॉ. कुंजबिहारी	रामानुजमकालेज, दिल्लीविश्वविद्यालयः	20 अक्टूबर से 18 नवम्बर 2022
3.	डॉ. मधुसूदनमिश्रः	”	20 अक्टूबर से 18 नवम्बर 2022
4.	श्रीनितिनआर्यः	”	20 अक्टूबर से 18 नवम्बर 2022

पुनष्चर्यापाठ्यक्रमे (RC)

क्रम संख्या	नाम	संस्था	सन्
1.	डॉ. मधुसूदनमिश्रः	एच.आर.डी.सी., काशीहिन्दूविश्वविद्यालयः, वाराणसी	27 अगस्त- 09 सितम्बर 2021
2.	डॉ. विजेन्द्रआर्यः	रामानुजमकालेज, दिल्लीविश्वविद्यालयः	20 जुलाई से 03 अगस्त 2021
3.	डॉ. सत्येन्द्र यादवः	एच.आर.डी.सी., डॉ. हरि सिंह गौर	24 जनवरी से 28 फरवरी 2022

4. डॉ. दुर्गेशपाठकः एच.आर.डी.सी., डॉ. हरि सिंह गौर 01 सितम्बर से 08 सितम्बर 2022

5. डॉ. विजय शर्मा रामानुजमकालेज, दिल्लीविश्वविद्यालयः 23 फरवरी से 09 मार्च 2023

6. श्रीनितिनआर्यः रामानुजमकालेज, दिल्लीविश्वविद्यालयः 23 फरवरी से 09 मार्च 2023

7. डॉ. कुंजबिहारी रामानुजमकालेज, दिल्लीविश्वविद्यालयः 20 अक्टूबर से 18 नवम्बर 2022

8. डॉ. मधुसूदनमिश्रः ” 20 अक्टूबर से 18 नवम्बर 2022

9. श्रीनितिनआर्यः ” 20 अक्टूबर से 18 नवम्बर 2022

10 श्रीनितिनआर्यः विद्यावारिधि -उपाधये सं.सं.वि.वि., वाराणसी

अन्ताराष्ट्रीयसम्मेलनम् संगोष्ठी च -

प्रतिवर्षं जूनमासस्य २१ तमे दिनांके अन्ताराष्ट्रिययोगदिवस आयोज्यते। अस्मिन् योगदर्शनस्य महत्त्वम् उपलक्ष्य योगविषयकं विदुषां विशिष्टं व्याख्यानम् आयोज्यते। योगासनानां प्रशिक्षणं दीयते। अध्यापकाः छात्राः च तत्र भागं गृह्णन्ति । तेन प्रतिदिनम् अपि आसनानि सारल्येन कर्तुं प्रभवन्ति। अन्ताराष्ट्रीयसंगोष्ठ्यः अध्यापकानां छात्राणां च शास्त्रीयकौशलदक्षतायै समायोज्यन्ते। वैदेशिकाः विद्वांसः विदुष्यश्च भारतीयाः विद्वांसः विदुष्यश्च भागं गृहीत्वा विषयाणां तात्विकोद्बोधनं कुर्वन्ति। प्रथमा अन्ताराष्ट्रीयावाक्यार्थसभा काशी इतिनाम्ना समायोजितायाम् अन्ताराष्ट्रियसभायां व्याकरणमीमांसान्यायदर्शनवेदान्तदर्शनप्रभृतीनां सिद्धान्तानां तुलनात्मकविमर्शः अभवत्।

वाक्यार्थः / शास्त्रार्थसभा - विश्वविद्यालये वाक्यार्थसभा समायोज्यते। अस्यां समायोजितायां सभायां न्यायव्याकरणमीमांसावेदान्तबौद्धादिविषयाणां वाक्यार्थविमर्शः अध्यापकैः छात्रैश्च पूर्वपक्षोत्तरपक्षरूपेण समूहे विधीयते। शास्त्रार्थसभा अत्र प्राचीनतमा परम्परा सा सक्रिया विद्यते।

प्रतिवर्षं वाक्यप्रतियोगिता, स्फूर्तिस्पर्धा, कण्ठपाठस्पर्धा च समायोज्यन्ते। विविधेषु शास्त्रीयेषु विषयेषु स्पर्धाः संचाल्यन्ते। ताः स्पर्धाः स्थानीयस्तरे, राज्यस्तरे, राष्ट्रस्तरे च भवन्ति। छात्राः इतरच्छात्रैः सह स्पर्धित्वा स्थानीयस्तरे राज्यस्तरे च चिताः सन्तः राष्ट्रस्तरे प्रविष्टाः भवन्ति । विविधस्तरेषु भागग्रहणाय छात्राणां कृते अध्यापकाः मार्गदर्शनं कुर्वन्ति ।

शास्त्रपरीक्षा/ शास्त्रस्पर्द्धा - अध्यापकैः स्वसंरक्षणे शास्त्रपरीक्षा शास्त्रस्पर्द्धा च इति विषयद्वयं छात्राणां शास्त्रीयज्ञानसंवर्द्धनाय क्रियते।

संस्कृतकविसम्मेलनम् - विश्वविद्यालये संस्कृतकविसमवायस्य आयोजनं भवति। तत्र भारतस्य विदेशस्य च अनेके कवयः समागत्य स्वरचितकाव्यपाठं कुर्वन्ति। काव्यपाठेन नूतनान्नूतनान्विषयान्समुद्घाटयन्ति।

पारम्परिक अध्ययन

पारम्परिक अध्ययन

पारम्परिक अध्ययन

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

राष्ट्रीय संगोष्ठी

संस्कृत भाषा को आधुनिक विद्या से जोड़ने की जरूरत

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में बोले पद्मश्री प्रो. कृष्ण शास्त्री

अमर उजाला ब्यूरो

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के योग साधना केंद्र में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते चेन्नई के प्रो. चनुक कृष्ण शास्त्री। अमर उजाला

वाराणसी। संस्कृत को आधुनिक विद्या से जोड़ने की जरूरत है। संस्कृत के विकास के लिए योग, वेदांत, आयुर्वेद, शिल्पशास्त्र सहित अन्य शास्त्रों को संस्कृत युक्त बनाकर प्रचलन योग्य भाषा व रोजगार परक बनाना होगा। इस पर संस्कृत के विद्वानों को चिंतन करना होगा।

उक्त विचार भारत सरकार के पूर्व शिक्षा सलाहकार पद्मश्री प्रो. कृष्ण शास्त्री ने व्यक्त किए। वह रविवार को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के योग साधना केंद्र में आयोजित संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

संस्कृत माध्यम से अध्ययन अध्यापन स्तरोन्नयन विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल ने कहा कि जब तक भाषा का ज्ञान नहीं होगा तब तक शास्त्र के गूढ़तत्वों को जानना असंभव है। संचालन डॉ. रविशंकर पांडेय ने किया। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. हेतराम कछवाह, प्रो. रामपूजन पांडेय, प्रो. रमेश कुमार द्विवेदी, प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, प्रो. सदानंद शुक्ल, प्रो. सुधाकर मिश्र, डॉ. दिनेश गर्ग आदि मौजूद रहे।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

वाक्यार्थसभा

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

शास्त्रार्थसभा

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

शास्त्रार्थसभा

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

शास्त्रस्पर्धा

संस्कृत विद्याविभाग
शलाकापरीक्षा / शास्त्रस्पर्धा - 26-2-2024
GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, India
J12/111, Dhupchandi, Jaitpura, Varanasi, Uttar Pradesh 221001, India
Lat 25.328959°
Long 82.998878°
26/02/24 01:26 PM GMT +05:30
Note : Captured by GPS Map Camera
Google

शास्त्रस्पर्धा

GPS Map Camera
Google
Varanasi, Uttar Pradesh, India
J12/111, Dhupchandi, Jaitpura, Varanasi, Uttar Pradesh 221001, India
Lat 25.328968°
Long 82.998942°
26/02/24 01:26 PM GMT +05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

शास्त्रस्पर्धा

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

संस्कृतकविगोष्ठी

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

संस्कृतकविगोष्ठी

संस्कृतकविगोष्ठी

प्रो. विद्यानिवास मिश्र की पुण्यतिथि पर योग साधना केंद्र में संगोष्ठी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

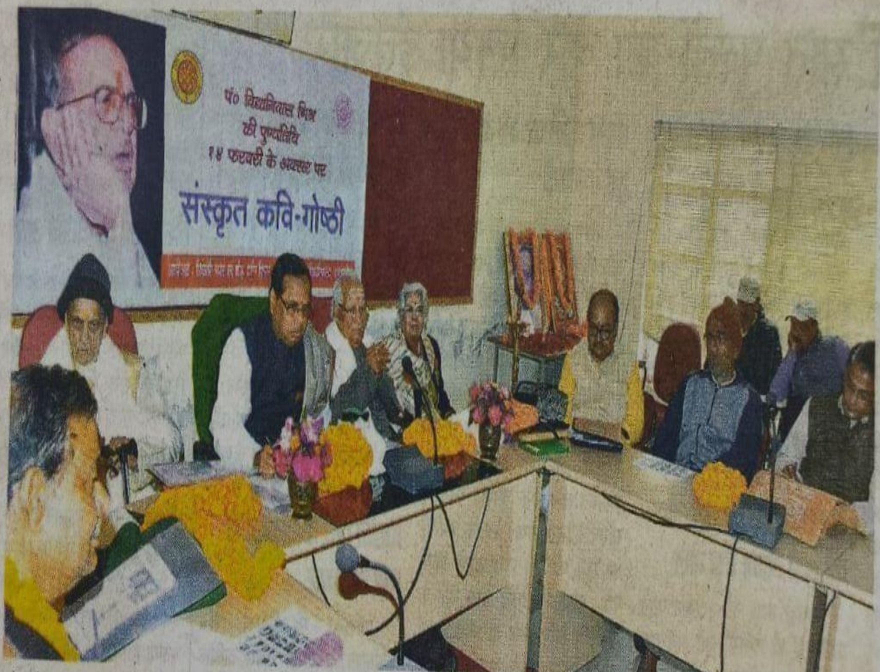

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल के अध्यक्षता में पूर्व कुलपति प्रो. विद्यानिवास मिश्र की पुण्यतिथि पर बौद्ध दर्शन विभाग एवं विद्यार्थी न्याय के संयुक्त तत्वाधान में "संस्कृत कवि गोष्ठी" एवं "कवि सम्मान" कार्यक्रम का आयोजन योग साधना केन्द्र में आज पूर्वाह्न 11 बजे किया गया। उक्त गोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. शिवजी उपाध्याय ने उद्बोधन में कहा कि पंडितजी का व्यक्तित्व ओजपूर्ण था तथा उनके व्यक्तित्व की विशेषता से लोग उनकी तरफ खींचे चले आते थें। विशिष्ट अतिथि प्रो0 रेवा प्रसाद द्विवेदी जी ने कहा कि पंडित जी असाधारण प्रतिभा के धनी थें और भाषाविज्ञान के ज्ञाता थे। वे भारतीय ज्ञान-विज्ञान का सम्पूर्ण विश्व में प्रचार-प्रसार किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजाराम शुक्ल ने अपने अध्यक्षयीय उद्बोधन में कहा कि संस्कृत के क्षेत्र पंडित जी के द्वारा किये गये योगदान को हमेशा स्मरण किया जायेगा तथा उसको अपने जीवन में उतारना चाहियें जिससे संस्कृत का व्यापक प्रचार हो। उक्त अवसर पर डा. विजय कुमार पाण्डेय-जयति काशी भूतलम्, डॉ0 दिनेश कुमार गर्ग-पुण्यगंगा सिते संगते,तोशिकोईदाका-भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र, डॉ0 प्यारेलाल पाण्डेय-सिन्दूरामां, प्रो0 कमला पाण्डेय-सरस रूचिर भावैः ने कविता का पाठ किया। अपने उद्बोधन के क्रम में कवि प्रो0 हरि प्रसाद अधिकारी,प्रो0 प्रभुनाथ द्विवेदी, प्रो. गंगाधर पंडा, प्रो. गायत्री प्रसाद पाण्डेय, प्रो. शिवराम शर्मा, प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी एवं अन्य कवियों ने पंडितजी के कृत्यों पर अपने कविताओं के माध्यम से प्रकाशवान किया। उक्त गोष्ठी में कविवर डा. कमला पाण्डेय को रामरूचि त्रिपाठी संस्कृत कवि सम्मान से नवाजा गया जिसमें माला, नारिकेल, अंगवस्त्रम्, पुस्तक ,प्रतीक चिन्ह, प्रशस्तिपत्र एवं सम्मान राशि से सम्मानित किया गया। गोष्ठी का प्रारम्भ में मंगलाचरण जयेन्द्रपति त्रिपाठी के द्वारा तथा पौराणिक मंगलाचरण लेखमणि त्रिपाठी ने किया। जिसके उपरान्त मचस्थ अतिथियों द्वारा दीप-प्रज्वलन तथा माँ सरस्वती एवं पं0 विद्यानिवास मिश्र के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात् सचिव, विद्यार्थी न्याय के द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अध्यक्ष को माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण प्रो. हरप्रसाद दीक्षित ने किया तथा संचालन डा. चन्द्रकान्ता राय तथा धन्यवाद ज्ञापन डा. दयानिधि मिश्र ने किया। उक्त गोष्ठी में मुख्य रूप से प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, डा. दिनेश कुमार गर्ग, डा. विजय कुमार पाण्डेय, डा. महेन्द्र पाण्डेय, अशोक शुक्ल, ध्रुवनारायण पाण्डेय, अनुराग, शशिशेखर, अरविन्द नाथ एवं सत्येन्द्र के साथ-साथ अध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi